## मौलिक बैंकिंग शब्दावली

**जमा (डिपॉज़िट)** - जमा का अर्थ है कि आपके खाते में रुपये (नकद/चेक) जमा करना। ऐसा करने के लिए आपसे जमा पर्ची भरने के लिए कहा जा सकता है।

**आहरण (विड्राल)** - आहरण का अर्थ है : आपके खाते से आपके स्वयं द्वारा या आप के प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा पैसा निकालना। नकद आहरण दो प्रकार से किया जा सकता है - आहरण पर्ची का प्रयोग कर या चेक लिखकर।

**पासबुक** - ऐसी पुस्तिका जिसमें किसी बैंक खाते से संबंधित सभी लेन-देनों को लिखा जाता है। इस पुस्तिका में लेन-देन कोड एवं ग्राहकों के उत्तदायित्वों की जानकारी होगी।

**बचत खाता (सेविंग्स एकाउंट)** - गैर-व्यापारिक लेन-देनों हेतु व्यक्तियों एवं अन्य के लिए बचत बैंक खाता सर्वाधिक सामान्य प्रचलन खाता है। बचत खाता आपको दैनिक बैंकिंग लेन-देन यथा : रुपये जमा करना, रुपये आहरण/स्थानांतरण करना आदि, में मदद करता है तथा बचत की गई राशि पर ब्याज भी प्राप्त होता है। बैंकों द्वारा सामान्य तथा किसी विर्निदिष्ट समयावधि, जैसे - मासिक, के दौरान किए जाने वाले आहरणों की कुल संख्या पर नियंत्रण रखता है।

**संयुक्त खाता (ज्वाईंट एकाउंट)** - यह खाता दो या दो से अधिक व्यक्तियों के नाम में संयुक्त रूप से खोला जा सकता है।

**खाता संख्या (एकाउंट नंबर)** - प्रत्येक खाता के लिए एक विशिष्ट संख्या निर्धारित की जाएगी जिसका रिकार्ड खाता धारक को दिए जाने वाली पासबुक में किया जाएगा। खाता धारक द्वारा इस संख्या का प्रयोग भुगतान-पर्ची, चेक या आहरण फार्म एवं बैंक के साथ किए जाने वाले सभी प्रकार के पत्राचारों में किया जाएगा।

**मियादी या सावधि जमा (फिक्स डिपॉज़िट)** - सावधि जमा वह जमा है जिसे बैंक द्वारा एक निर्दिष्ट समयावधि के लिए स्वीकार किया जाता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार सावधि जमा स्वीकार किए जाने हेतु न्यूनतम अवधि 15 दिन की होनी चाहिए। बैंक सामान्यतया 10 वर्ष से ज्यादा की अवधि के लिए जमा स्वीकार नहीं करता है।

**आवर्ति जमा (रिकरिंग डिपॉज़िट)** - यह एक प्रकार का सावधि जमा खाता है जिसमें नियत मासिक जमा की अनुमति होती है तथा इसे निर्धारित अवधि की समाप्ति के उपरान्त ही आहरित किया जा सकता है।

**नॉमिनी** - जमाकर्ता की मृत्यु हो जाने की स्थिति में कानूनी वारिस के न्यासी के रूप में खाता में बचाए शेष का भुगतान नॉमिनी को किया जाएगा। जमा खाता खोलते समय जमाकर्ता को नामांकन सुविधा के लाभों से अवगत कराया जाएगा।

**ब्याज़ (इंटरस्ट)** - बैंक खाता में रखे गए शेष पर बैंक ब्याज़ प्रदान करता है। प्रत्येक कैलेंडर माह की 10वीं तारीख से अंतिम दिन तक खाते में रखे गए शेष न्यूनतम जमा राशि पर ब्याज़ प्रदान किया जाता है। ब्याज़ दर का निर्धारण भा.रि.बैं. के दिशा-निर्देशानुसार किया जाता है तथा लागू दर पर कर-कटौती के उपरान्त ब्याज़ प्रदान किया जाता है। जमा पर लागू ब्याज़ दरों को शाखा परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

**नो-फ्रिल खाता -** इस खाता हेतु अति न्यूनतम शेष तथा अति न्यून/शून्य प्रभार की आवश्यकता होती है। यह हमारे विशाल आबादी के एक ऐसे बड़े समुदाय के व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है जो, अन्य रूप में, हमारे वर्तमान बचत बैंक खाता की आवश्यकताओं की शर्तों को पूरा नहीं कर पाते हैं।


विशेष जानकारी या इस पुस्तिका को मंगाने के लिए लिखें या फोन करें :

**भारतीय रिज़र्व बैंक**
**सूचना कक्ष**
**6, संसद मार्ग**
**नई दिल्ली - 110 001**
**फोन : 011-23731463**
**ई-मेल :** infocellnewdelhi@rbi.org.in



**भारतीय रिज़र्व बैंक वित्तीय शिक्षा श्रृंखला**

अंक - 1
आधारभूत बैंकिंग


# राजू और पैसों का पेड़

**भारतीय रिज़र्व बैंक**
**6, संसद मार्ग**
**नई दिल्ली - 110 001**

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित इस कॉमिक में पैसों के पेड़ के आगे राजू की यात्रा में उसके साथ चलिए। राजू के अनुभवों की कहानी www.rbi.org.in/commonperson पर भी उपलब्ध है।

भारतीय रिज़र्व बैंक वित्तीय शिक्षा *श्रृंखला, भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली द्वारा 2007 में प्रथम प्रकाशित
© भारतीय रिज़र्व बैंक
सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। इस सामग्री के उद्धरण की अनुमति है, बशर्ते स्रोत के प्रति आभार व्यक्त किया जाये।

*आम लोगों की मौलिक जानकारी हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय शिक्षा के लिए यह प्रयास किया गया है। अधिकृत जानकारी के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट www.rbi.org.in देखें।

राजू बहुत आलसी था। वह अपना सारा समय सोने और अमीर होने के सपने देखने में गुज़ारता था।

राजू अपनी माँ के साथ एक छोटे से गाँव में रहता था।

उसकी माँ दिन-रात काम करके मुश्किल से दो वक्त का खाना जुटा पाती थी।

एक दिन राजू ने एक ऐसे पेड़ का सपना देखा जिस पर पैसे उगते हैं।

वह तुरन्त ही रुपये वाले पेड़ की खोज में घर से निकल पड़ा।

वह बिना खाये पिये दिन....

.... रात चलता रहा।

एक दिन वह एक पेड़ के नीचे सुस्ताने के लिए लेटा और हमेशा की तरह जल्दी ही सो गया।

अचानक उसे एक बूढ़े आदमी ने जगाया जो कि उसे घूर रहा था।

आप कौन हैं?

लोग मुझे गोपी चाचा बुलाते हैं। लेकिन तुम कौन हो और इतने थके हुए क्यों लग रहे हो?

मैं राजू हूँ और सफर पर निकला हूँ।

तुम कहाँ जा रहे हो?

मैं एक ऐसे पेड़ की खोज में निकला हूँ जिस पर पैसे उगते हैं।

क्या ? कोई इतना बुद्धु कैसे हो सकता है?



मगर राजू हैरान था। तभी बूढ़े आदमी ने राजू के लिए कुछ करने का फैसला किया।

चिन्ता मत करो। तुम सही जगह पर आए हो। मैं तुम्हें कुछ बीज देता हूँ।

कुछ समय बाद इन बीजों से पौधे निकलेंगे। तुम्हें उन पौधों का बहुत ध्यान रखना होगा।

जल्दी ही वो पौधे पेड़ बन जायेंगे और उन पर पैसे फलेंगे।

लेकिन इसके बारे में किसी से न कहना नहीं तो इन बीजों की सारी शक्ति खत्म हो जाएगी।

राजू बहुत उत्साहित हो गया। राजू ने सोचा यह बूढ़ा आदमी जरूर कोई फरिश्ता है जिसने मुझे वह पेड़ ढूंढने में सहायता की जिस पर पैसे उगते हैं।

आप हमारे घर जरूर आईयेगा। मेरी माँ आप जैसे फरिश्ते से मिलकर बहुत खुश होगी।

चिन्ता मत करो। एक साल बाद जब तुम्हारे पेड़ बड़े हो जायेंगे तब मैं तुम्हारे गाँव आऊंगा।

राजू ने बूढ़े आदमी को उसकी सहायता के लिये धन्यवाद दिया और आपने गाँव की ओर चल पड़ा।

राजू की माँ बेटे को देखकर बहुत खुश हुई।

लेकिन राजू अब बदल चुका था। वह सीधा अपने बगीचे में गया और उसने सारे जंगली पौधों और झाड़ियों को उखाड़ फेंका।

इसके पश्चात उसने बीज बो दिये।

जल्द ही उन बीजों से पौधे निकलने लगे। वह उनको रोज पानी देता तथा दिन-रात पहरा देता।



एक साल बीत गया और पौधे पेड़ बन गये। मगर रुपयों का नामोनिशान नहीं था! राजू बहुत दुखी हो गया।

जल्दी ही मौसम बदला। पेड़ों पर फूल आये। राजू ने ऐसे फूल पहले कभी नहीं देखे थे। उनकी खुशबू दूर-दूर तक फैलने लगी।

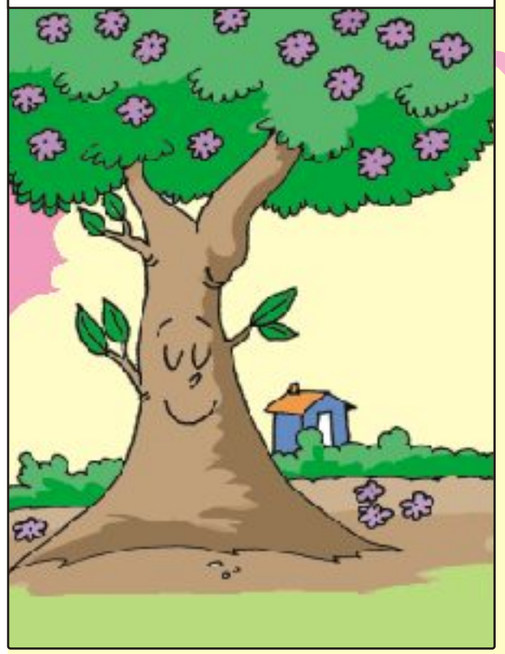

गाँव का एक व्यापारी राजू के फूलों को शहर में बेचना चाहता था। उसने कुछ फूल खरीदे और राजू को बहुत अच्छी कीमत दी।

सारे गाँव में राजू के फूलों की चर्चा थी।

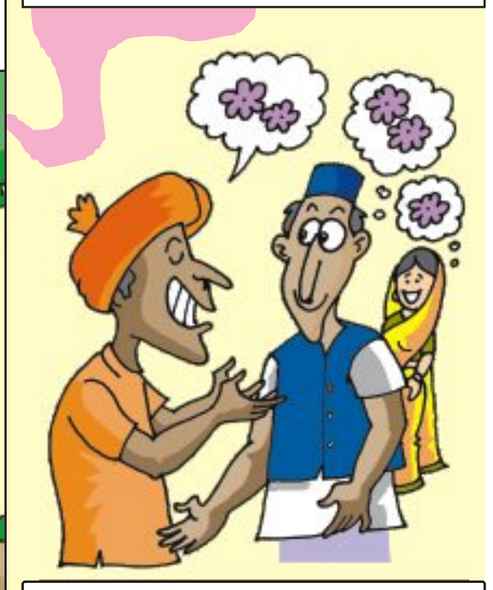

बचे हुए फूल फल बन गये। व्यापारी ने फलों को भी अच्छी कीमत देकर खरीद लिया।

राजू अचानक अमीर बन गया। तब उसे उस बूढ़े आदमी की याद आयी।

मगर अब मैं इन पैसों से क्या करूं?

**उसने अपने पुराने घर की मरम्मत करवाई और अपने** तथा अपनी माँ के लिए नए कपड़े खरीदे।

पर अभी भी बहुत सारा पैसा बच गया था। राजू ने उसे भविष्य के लिये सम्भाल कर रखने का फैसला किया। उसने वह पैसे एक बक्से में बंद करके घर में रख दिये।

मगर एक दुर्घटना हो गई। उसके सारे पैसे चूहों ने खा लिए।

राजू बहुत उदास हो गया। राजू को उदास और परेशान देखकर उसकी माँ ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की।

उसने सुझाया कि राजू उस बूढ़े आदमी से मिलने की कोशिश करे। शायद वह राजू की कोई मदद करे।

संयोग से अगले दिन वह बूढ़ा आदमी राजू के घर आया।

राजू ने उसे सारी बात बताई..... कैसे पौधे पैड़ बने.. ... कैसे पेड़ों पर फूल आये और कैसे उन्हें बेचकर उसने पैसे कमाए। कैसे उसने पैसे भविष्य के लिये बचाकर एक बक्से में रखे, कैसे सब कुछ चूहों ने खा लिया।

बूढ़ा आदमी अचानक हंसने लगा। राजू आश्चर्यचकित था।

मगर मैं और करता भी क्या? मेरे सारे पैसों को रखने की और कोई सुरक्षित जगह भी तो नहीं है।

बहुत आसान है। तुम अपनी बचत एक बैंक में रखो।

बैंक? यह बैंक क्या होता है?

बैंक वो जगह है जहां तुम अपना पैसा सुरक्षित रूप से जमा करा सकते हो। यह तुम्हारे गुल्लक की तरह है जिसमें तुम पैसा रखते हो।

बैंक

बैंक में तुम्हारे पैसों के साथ-साथ और भी बहुत से लोगों का पैसा जमा रहता है।

हर आदमी को एक किताब दी जाती है जिससे यह पता चलता है कि बैंक के पास उसका कितना पैसा जमा है।



हमारे देश में बहुत सारे बैंक हैं। ऐसा एक बैंक तुम्हारे पास वाले गांव में भी है। तुम इस बारे में पता क्यों नहीं करते ? वह स्कूल के पास है।

इसमें चौंकने की कोई बात नहीं है। बैंक में तुम्हारे और मेरे जैसे लोग काउंटर के सामने बैठकर काम करते हैं। तुम वहाँ जाकर उन्हें पूछ सकते हो कि अपने पैसों को सुरक्षित रखने के लिए कैसे जमा कराया जाए।

ओ! वो पीले रंग की इमारत? क्या वो एक बैंक है? मैंने उसे बहुत बार बाहर से देखा है। मगर मैं हमेशा सोचता हूँ कि वहाँ क्या होता है ?

जमा

आहरण

वो तुम्हें बैंक में खाता खोलने के विषय में सब कुछ बताएँगे। बैंक में एक रजिस्टर होता है जिसे खाता कहते हैं। उस रजिस्टर में पैसा जमा करने वाले के नाम की एक एन्ट्री होती है जिससे पता चलता है कि तुमने उनके पास कितने पैसे रखे हैं।

वे तुम्हें खाता खोलने के फॉर्म देंगे। अगर तुम्हें पढ़ना-लिखना नहीं आता हो तो वे फॉर्म को भरने में भी तुम्हारी सहायता करेंगे।

बैंक में खाता खोलने के बाद तुम अपना पैसा वहाँ जमा करा सकते हो।

जमा/आहरण

पैसे तो मैं जमा कर सकता हूँ...
...पर यदि अगले दिन जरूरत पड़ी तो?
ऐसी स्थिति में अगले दिन बैंक जाकर तुम अपना पैसा निकाल सकते हो। तुम जितने पैसे जमा करते हो या निकालते हो उसका सारा लेखा-जोखा बैंक के पास रहता है ताकि तुम कभी भी यह जान सको कि तुम्हारे खाते में कितना पैसा है।
यह सारी जानकारी एक पासबुक नामक किताब में दर्ज की जाएगी जो कि बैंक तुम्हें देगा। इसमें कोई भी दिक्कत की बात नहीं है।
पास बुक
बैंक ...
सुनीता एस...
खाता संख्या २००४
मगर मुझे यह बताइए कि बैंक में पैसा कितना सुरक्षित है? अगर बैंक चलाने वाला आदमी अगले दिन गाँव से गायब हो जाए तो क्या होगा?




बैंक खाते बहुत सुरक्षित होते हैं। सरकारी संस्थान हमेशा बैंक चलाने वालों पर नज़र रखते है।
ए बी सी बैंक
इसलिए पैसे रातभर में गायब नहीं हो सकते। बल्कि बैंक में अपने पैसे रखने के बहुत फायदे हैं।
फायदे? जैसे कि?
बैंक में तुम्हारा पैसा यूं ही नहीं पड़ा रहता। तुम्हें उस पर ब्याज़ मिलता है। इस प्रकार तुम्हारा पैसा बढ़ता रहता है। कुछ समय बाद तुम्हारे खाते में और भी ज्यादा पैसे होंगे।
बैंक यह सब किस प्रकार करते हैं? क्या उन्हें कोई ऐसा पेड़ मिल गया है जिस पर सच में पैसे उगते हैं?

यह बहुत आसान है। जो पैसा हम जमा कराते है बैंक उसे ऐसे व्यक्ति को ऋण के रूप में देता है जिसे कुछ खरीदने के लिये या व्यवसाय करने के लिये पैसों की जरूरत है। बैंक दिये हुये ऋण पर ब्याज़ लेता है।

बैंक ब्याज़ का कुछ पैसा अपने पास रखता है और कुछ तुम्हें दे देता है। इस तरह से बैंक में रखे तुम्हारे पैसे पर कमाई होती है।

यह तो बहुत अच्छा है। इससे मेरा पैसा बैंक में सुरक्षित भी रहेगा और उस पर मैं ब्याज़ भी कमा सकता हूँ। अब मुझे एक और बात बताईये। हाल में ही मैंने सुना कि मेरे दोस्त श्यामू ने ट्रैक्टर खरीदने के लिये बैंक से ऋण लिया है।

क्या मैं भी ऐसा कर सकता हूँ?



हाँ तुम जरूर ऐसा कर सकते हो।

बैंक से ऋण लो और उस पैसे से बीज तथा खाद खरीदो। अपने बगीचे में फल और सब्ज़ियां लगाओ। तुम उन्हें बाज़ार में बेचकर और पैसा कमा सकते हो।

उस पैसे से तुम अपना ऋण चुका सकते हो।

और बचा हुआ पैसा अपने बैंक खाते में सुरक्षित रख सकते हो।

मेरे दिमाग में एक और प्रश्न आया है। मेरे साथ मेरी माँ भी रहती है। मैं उनके लिये भी कुछ पैसे रखना चाहता हूँ। क्या वह भी बैंक में खाता खोल सकती हैं?

हाँ। क्यों नहीं? उनके नाम पर एक अलग खाता खोला जा सकता है जिसमें वो अपना पैसा जमा करा सकती हैं। या फिर तुम अपने खाते से भी उनके खाते में पैसा भेज सकते हो या जमा करा सकते हो।

तुम अपने खाते में उनका नाम जोड़कर ज्वाईंट खाता भी खोल सकते हो।



मगर तुम्हें यह याद रखना चाहिये.....

.....कि चाहे वह तुम्हारा या तुम्हारी माँ का अलग या ज्वाईंट खाता हो.....

.....तुम्हें एक ऐसा व्यक्ति चुनना होगा जिसके पास तुम दोनों में से किसी के साथ भी दुर्घटना होने की स्थिति में तुम सारे पैसे छोड़ना चाहोगे।

वह व्यक्ति ''नॉमिनी'' होगा।

मैं सच में भगवान का उस दिन के लिये अभारी हूं जब मैं आपसे मिला था।

आपने मुझे उस पेड़ का रहस्य बताया जिस पर पैसा फलता है और यह भी बताया कि उस पैसे को कैसे सुरक्षित रखा जाता है। मैं अपनी माँ को लेकर कल ही बैंक जाकर खाता खोलूंगा।



चलो माँ बैंक चलें।

बैंक

कथा—मनोज एवं शैलजा
चित्र—अनुपम शर्मा